आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 26.01.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- आज देश अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा – आत्मनिर्भरता और स्वदेशी देश के आर्थिक भविष्य को आकार देने वाले मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।
- गणतंत्र दिवस के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन देहरादून के परेड मैदान में, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह परेड की सलामी लेगें।
- केंद्र सरकार ने 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी को पद्म विभूषण से किया जाएगा सम्मानित।
- गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड, सिविल डिफेंस और सुधारात्मक सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्तराखंड के 12 कर्मी वीरता और सेवा पदक से सम्मानित।

गणतंत्र दिवस

आज देश अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली में कर्तव्य पथ से इस दिन के समारोह का नेतृत्व करेंगी। गणतंत्र दिवस परेड सुबह 10:30 बजे शुरू होगी और लगभग 90 मिनट तक चलेगी। कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य शक्ति का एक अनूठा संगम होगा। इस साल की थीम है 'स्वतंत्रता का मंत्रः वंदे मातरम' और 'समृद्धि का मंत्रः आत्मनिर्भर भारत'। गणतंत्र दिवस परेड की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने से होगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश के आर्थिक भविष्य को आकार देने की यात्रा में आत्मनिर्भरता और स्वदेशी, मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। उन्होंने कहा कि हमारे युवा उद्यमी, खिलाड़ी और व्यवसायी देश में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं और विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश में युवाओं की संख्या दुनिया में सबसे अधिक है और उनमें असीम प्रतिभा है और बड़ी संख्या में देश की युवा आबादी स्वरोजगार के जरिए प्रभावशाली रूप से सफलता का प्रदर्शन कर रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत, लगातार आर्थिक विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। राष्ट्रपति ने कहा कि देश निकट भविष्य में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने जीएसटी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के सरकार के फैसले की सराहना की।

राष्ट्रपति ने राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ काम करने तथा भारत को और अधिक गौरवशाली बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस, राष्ट्र भक्ति की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के जरिए किये गए सटीक हमलों से आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने की देश की उपलब्धि का भी उल्लेख किया।

## गणतंत्र दिवस

प्रदेश की राजधानी देहरादून में मुख्य राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन होने के साथ अन्य जिलों में भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

देहरादून के परेड ग्राउंड में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह तिरंगा फहराने के साथ ही परेड की सलामी लेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह, विधान सभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूडी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह में पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल उत्तराखंड और महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया।

कई जिलों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों, शिक्षकों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

इस दौरान प्रदेश भर में सुरक्षा के सख्त इंतज़ाम किए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति और सौहार्द के साथ गणतंत्र दिवस बनाने की अपील की है।

## मुख्यमंत्री शुभकामना संदेश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह अवसर हमें स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने तथा अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा देता है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि संविधान के उद्देश्यों के अनुरूप न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के मूलभूत लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहें।

## कोश्यारी को पद्‌म विभूषण

गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 के लिए 131 पद्‌म पुरस्कारों की घोषणा की। इसमें 5 पद्‌म विभूषण, 13 पद्‌म भूषण और 113 पद्‌म श्री शामिल हैं। इनमें 19 महिलाओं सहित 16 लोगों को मरणोपरांत सम्मानित किया जाएगा। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को भी पद्‌म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री को पद्‌म भूषण मिलने की घोषणा पर बागेश्वर जिले कपकोट से गांव तक ख़ुशी की लहर है। भगत सिंह कोश्यारी का जन्म 17 जून 1942, नामती चेताबागड़, बागेश्वर में हुआ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वह गोवा के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल चुके हैं।

गृह मंत्रालय ने कोश्यारी का नाम सार्वजनिक जीवन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए शामिल किया गया है। प्रदेश की राजनीति में 'भगत दा' के नाम से पहचाने जाने वाले कोश्यारी के लिए इसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस पर होती है, जबकि सम्मान समारोह राष्ट्रपति भवन में मार्च–अप्रैल के बीच आयोजित किया जाता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री कोश्यारी को पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किए जाने की घोषणा पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उनका सम्मान उत्तराखंडवासियों के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है।

सम्मान

गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड, सिविल डिफेंस और सुधारात्मक सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्तराखंड के 12 कर्मियों को वीरता और सेवा पदकों से सम्मानित किया गया है। इनमें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और सराहनीय सेवा के लिए पदक शामिल हैं। एक रिपोर्ट–

वसंतोत्सव 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ऋषिकेश स्थित भरत मंदिर में आयोजित वसंतोत्सव 2026 – मैथिली ठाकुर नाइट में सम्मिलित हुए। गंगा के पावन तट पर आयोजित इस भव्य एवं भक्तिमय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु–संतों, स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा देश–प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश आधुनिक योग और अध्यात्म का प्रमुख केंद्र होने के साथ–साथ सनातन संस्कृति की प्राचीन पुण्य भूमि भी है। सतयुग में इस धरा पर महर्षि रैभ्य को भगवान विष्णु के दर्शन हुए, त्रेतायुग में भगवान श्रीराम ने रावण वध के पश्चात यहीं तपस्या की तथा भरत जी ने भगवान नारायण की स्थापना कर पूजन किया। कालांतर में आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा भी इस भूमि पर विशेष पूजन किया गया।